CIVIC ACTION TEAMS

Coronavirus CivActs Campaign presents

FAIR FACTS

अंक ११२

१४ ।०३ ।२०७८

धुलिखेल नगरपालिकामे ँउप-प्रमुखसँगे प्रसौती जनानी कार्यक्रम" अन्तरगत प्रसौतीके पौष्टिक खायवला चिज बाटैत ।

तस्विर: रोजन तामाङ

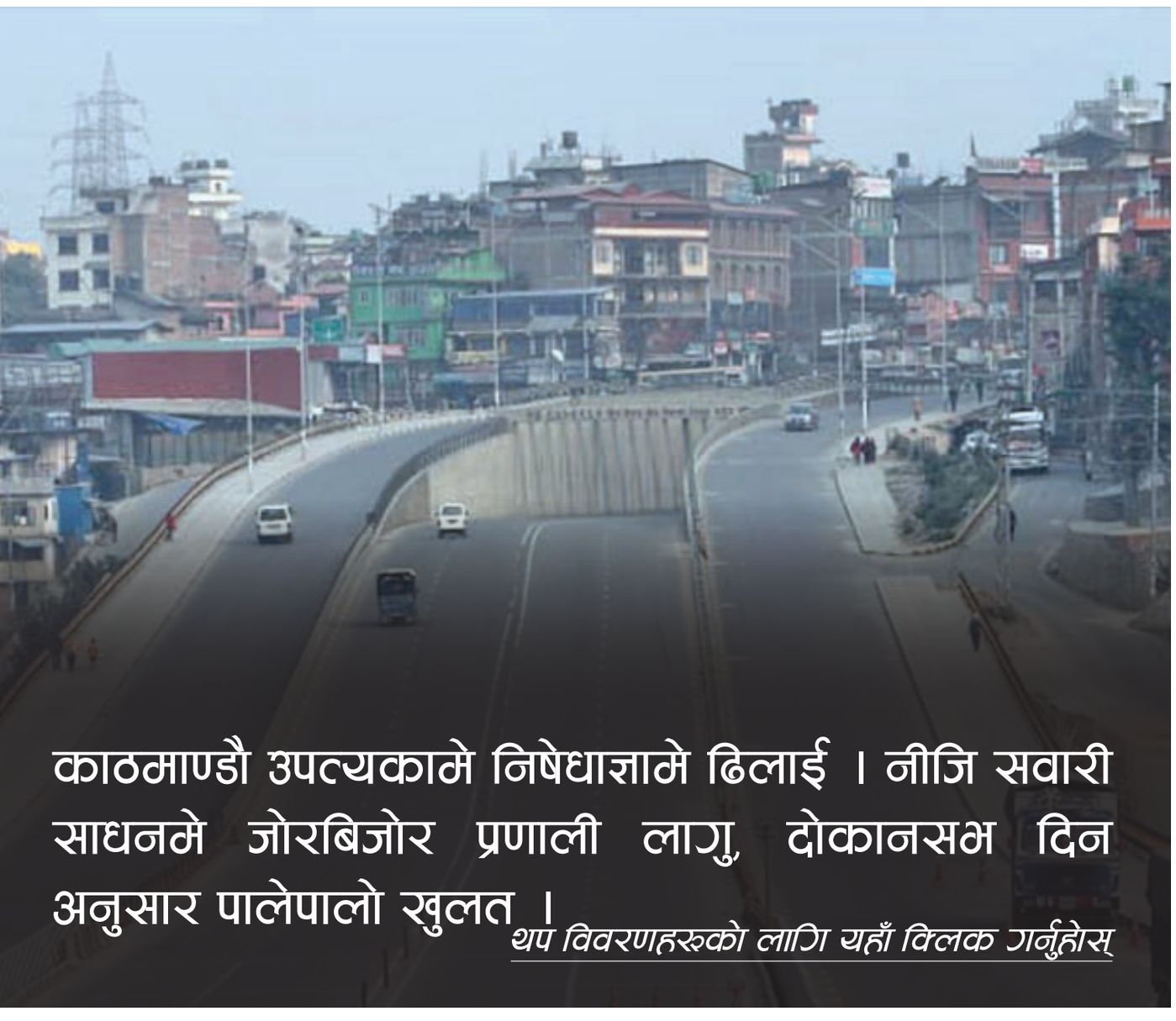

काठमाण्डौ उपत्यकामे निषेधाज्ञामे ढिलाई । नीजि सवारी साधनमे जोरबिजोर प्रणाली लागु, दोकानसभ दिन अनुसार पालेपालो खुलत ।

थप विवरणहरुको लागि यहाँ क्लिक गर्नुहोस्

अई अंक भित्तर

तेसर लहरमे डेल्टा प्लस संस्करण सँ जनजीवन तहसनहस पारत कहिक हल्ला छै ।

डेल्टा संस्करण ७८% सँ १२१% बेसी संक्रामक देखलगेल छै । डेल्टा संस्करणके दोसर रुप डेल्टा प्लस संस्करण छै ।

कोरोना विरुद्धके पहिल खोप लगेनेसभके सरकार दोसर मात्रा खोप लगा रहल छै कहादन ।

कोभिशिल्डके पहिल मात्रा लगेने आदमीसभ अईमे नै परै छै ।

कोभिड - १९ के समयमे दलित समुदाय विरुद्ध भेल विभेदसभ

अपन नागरिकके सुरक्षा करपइवला राज्य आ सुरक्षा निकाय अपने पीडकके रुपमे आगु आएल छलै ।

फ्याक्ट सिट

कि प्रदेश सरकारद्वारा कण्लगेल प्रयास नेपालके स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार आ आर्थिक पुनरुत्थानके लेल पर्याप्त छै त ?

लुम्बिनी प्रदेश

जम्मा बजेट रु. ४० अर्ब ९७ करोड

प्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (०.८८%)

- स्वास्थ्य संरचना आ प्रयोगशाला बनाबके लेल रु. २३ करोड ५० लाख
- कोभिड - १९ सँ प्रभावित कृषिमे आधारित जीवनयापनके सुधारके लेल रु. ११ करोड
- ई-लर्निङके प्रोत्साहित कर रु. १ करोड २० लाख

अप्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (१.८६%)

- वैकल्पिक ईलाज रु. ३ करोड
- स्वास्थ्य अभियान सञ्चालन गर्न रु. ८ करोड
- स्वास्थ्य सेवा, अस्पतालके क्षमता आ स्वास्थ्यकर्मीके क्षमता विकास कर रु. ५२ करोड
- उपकरण किन तथा क्षमता विस्तार १९ करोड

कर्णाली प्रदेश

जम्मा बजेट रु. ३६ अर्ब ५४ करोड

प्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (१.६%)

- कोभिड - १९ ईलाज, रोकथाम तथा नियन्त्रण कर रु. ५३ करोड ९८ लाख
- प्रयोगशाला परीक्षणके लेल रु.३ करोड ३५ लाख

अप्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (७.५६%)

- अस्पतालके लेल उपकरण किन रु. १३ करोड ९६ लाख
- स्वास्थ्य सेवा आ पूर्वाधार सुधार कर रु. २ करोड ६१ लाख
- आभासी माध्यमसँ स्वास्थ्य शिक्षा प्रवाह कर रु. १ करोड ५० लाख

सुदूरपश्चिम प्रदेश

जम्मा बजेट

रु. ३० अर्ब ३३ करोड

प्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (३%)

- कोभिड - १९ व्यवस्थापनके लेल रु. ९७ लाख
- कोभिड - १९ के लेल उपकरण किन रु. ९० करोड

अप्रत्यक्ष रुपमे कोभिड - १९ सँ सम्बन्धित (२.४५%)

- स्थानीय तहमे स्वास्थ्य संरचना बनाब रु. १ करोड
- अस्पताल तथा प्रयोगशाला बनाब रु. ४६ करोड २७ लाख
- स्वास्थ्यकर्मीके लेल नि:शुल्क बीमा कर रु. ५ करोड ५५ लाख
- स्वास्थ्य उपकरण तथा दवाई किन रु. १४ करोड २७ लाख
- वैकल्पिक ईलाज रु. ७ करोड ४२ लाख

लुम्बिनी प्रदेश, कर्णाली प्रदेश आ सुदूरपश्चिम प्रदेशद्वारा हालसाले सार्वजनिक केने वार्षिक बजेटके उद्देश्य आ प्राथमिकतामे सेहो कोभिडके बादके पुनरुत्थान आ राहतके रखलाके बादो बजेट बिनियोजनमे ऊ प्रतिबिम्बित नै होईछै । विशेष कलक लुम्बिनी प्रदेशके बजेट बिनियोजन एकदमे कम छै । प्रदेश सरकार आर्थिक पुनरुत्थान आ राहतके व्यवस्था केने कहने छै, लेकिन बजेटमे कतौ उल्लेख केने नै देखाई छै । पक्कै नीजि क्षेत्रके सुधार ई बजेट बहुते सहयोग कल सकैय । आर्थिक पुनरुत्थानके बजेटके उद्देश्य प्राप्त करवला रणनीतिके रुपमे लेल गेल छै, लेकिन निराशाजनक बात ई छै कि, कर्णाली प्रदेश आ सुदूरपश्चिम प्रदेश अईके लेल कोनो बजेट नै बिनियोजन केने छै ।

हल्ला आ तथ्य

आब तेसर लहरमे डेल्टा प्लस संस्करण जनजीवन तहसनहस करत कहिक हल्ला छै त ?

शुरुमे देखलगेल कोरोना विषाणुके तुलनामे बिटा नामक संस्करण २३%-३३% बेसी संक्रामक, अल्फा २४%-३४% बेसी संक्रामक, गामा ३३%-५१% बेसी संक्रामक, कप्पा २८%-८९% बेसी संक्रामक आ डेल्टा संस्करण ७८%-१२१% बेसी संक्रामक देखलगेल छै । अईसभ मे सँ नेपालमे दोसर लहरमे देखाएल संस्करण डेल्टा संस्करण छै । डेल्टा संस्करणके दोसर रुप डेल्टा प्लस संस्करण छै, जे नेपालमे अखनतक ९ टा नमुनामे देखाएल छै आ भारत लगायत ११ देशमे ई संस्करण देखा चुकल छै । ई संस्करण बेसी संक्रामक होबवला देखेलाके बादो अपनासभ जिम्मेबार भेलौ त एकर असर सँ खासे प्रभाव नै पार सकत ।

Source: https://www.facebook.com/mohpnep/videos/345287370282105

कोरोना विरुद्धके पहिल खोप लगेनेसभके सरकार दोसर मात्रा खोप दलरहल छै कहादन, के के खोप लगाब पाबीरहल अछि एहिबेर ?

अई बेर लगाब लागल खोप भेरोसेलके पहिल मात्रा लगेने आदमीसभके मात्रे आगामी आषाढ २२ गते सँ दोसर मात्रा खोप लगाएल जारहल छै । कोभिशिल्डके पहिल मात्रा लगेने आदमीसभ अईमे नै परतै । कोभिशिल्डके पहिल मात्रा लगेने आदमीसभ कहिया दोसर मात्रा लगाएत कहिक खोपके उपलब्धता भेलाके बाद सरकार सूचना निकालत ।

Source: https://cutt.ly/dmymn3l

काठमाण्डौमे आब सार्वजनिक सवारी साधन जोर बिजोर प्रणाली अनुसार चलतै ?

सब प्रकारके सार्वजनिक सवारी साधन चल देत से नै कहने छै । २५ सँ बेसी सीट क्षमता भेल सार्वजनिक यात्रुवाहक सवारी साधन मात्रे जोर बिजोर प्रणालीमे चलाब पाओत कहने छै । एकर मतलब माईक्रोबस आ टेम्पो अखनो चल नै पाओत । अनुमती प्राप्त सवारी साधन भोरे ६:०० बजे सँ साँझके ७:०० बजे तक मात्रे चलत ।

Source: https://daokathmandu.moha.gov.np/public/upload/

जातियतापर आधारित विभेद

कोभिड - १९ के समयमे दलित समुदाय विरुद्ध भेल विभेदसभ

वास्तवमे कोन बात अपनासभके मृत्युके मुँहमे पहुँचा रहल अछि ? विषाणु ? या भ्रष्टाचार, अप्रभावनकारी व्यवस्था आ ईमान्दार नेतृत्वके कमी सँ ?

१०%
राज्यले विभेद केने

९%
धार्मिक समुहले विभेद केने

११%
परिवार/नातेदारले विभेद केने

६५%
आम नागरिक द्वारा विभेद केने

५%
शैक्षिक क्षेत्रमा भएको केने

फेब्रुअरी २०२० — जनवरी २०२१

स्पष्टिकरण: ई तथ्यांक अनलाईन मिडिया, राष्ट्रिय दैनिकसभ, जिला स्तरमे प्रकाशित होबवला पत्रपत्रिकासभ आ नेपाल प्रहरीके वेवसाईटसँ संकलन कल एकिकृत कएलगेल छै । तै सँ, अईसँ वास्तविक तथ्यांक सँ बेसी निर्धारित समयमे सम्बन्धित घटनाके प्रवृतिके उजागर करैत छै ।

जातिय विभेद नेपालमे लम्बा समय सँ जैइ् गाडीक बैसल छै । सरकार जातिय विभेद विरुद्ध नीति बनेने छै, ओहुमे सेहो विशेष कलक दलित समुदाय विरुद्ध होबवला विभेद अन्त्य कर बहुते नीति अनलाके बादो एहन प्रकारके विभेदसभमे कमी नै आएल छै । आरो बन्दाबन्दी आ निषेधाज्ञाके समयमे सेहो बहुते जातिय विभेद विरुद्धके घटनासभ दर्ता भेल छै । प्राय: जेना आम नागरिक आ धार्मिक समूहसभ दलित समुदायके पहिचान, अधिकार आ न्यायके अवहेलना करवला घटनासभमे सहभागि भेल छलै । आरो आश्चर्यके बात त कि छलै कि, अपन नागरिकके सुरक्षा करपरवला जिम्मेबारी पौने राज्य आ सुरक्षा निकाय अपने पीडकके रुपमे आगु आएल छलै । नागरिक अधिकारके सुरक्षा करके जिम्मेवारी पौने सरकार अपने नागरिक उपर केने विभेदके घटना सँ राज्यके सुशासन पर प्रश्न उठैत अछि । ओईपर, दलित जनानीसभ अपन घरवला आ परिवारके सदस्य सँ विभेद आ हिंसाके शिकार भल्लरहल छथि । एहन प्रकारके विभेदके अन्त कहिया हेतै ? कि अपनासभके समाजमे जैइ् गाडीक बैसल जातिय विभेदके समाधान नै छै ? या अपनासभ व्यक्तिगत नैतिकता आ सुशासनम् त नै चुकिरहल छी ?

Source: https://nepalmonitor.org/

श्रमिक संगी

Shramik Sanjal

वैदेशिक रोजगार विभाग हप्ताके ३ दिन खुला

वैदेशिक रोजगार विभागके कार्यालय ताहाचल आब हप्ताके ३ दिन (रविदिन, मंगलदिन आ बृहस्पतिदिन) खुलतै । कार्यालय खुललाके बादो अखनला बायोमेट्रिक नै भेलसभ मात्रे सेवा पाओत । प्रणालीमे बायोमेट्रिक भेलसभ मुदा अनलाईने सँ पून: श्रम स्वीकृती लेब सकैत अछि ।

कतार:

• आहाँलग पुरान कतारी रियाल अछि त, डिसेम्बर ३१ तक बदैल लेब सकैछी ।

• कतारमे ३० लाख आदमी कोरोना बिरुद्धके खोप लगाचुकल अछि ।

• नेपाली दूतावास आ कतार मिडिया कर्पोरेशन बीचके सहकार्यमे भविष्यमे जानकारीमूलक रेडियो कार्यक्रम चलाबके विषयमे बातचित भेल छै । अखन कतारमे अनलाइन रेडियो “रेडियो ओलिभ” नेपाल मात्रे सुन सकै छि ।

कुवेत:

६००० वर्ग मीटर सँ बइका शपिङ मल, रेष्टुरेण्ट, सैलुन, हेल्थ क्लब आ प्रमुख कम्प्लेक्ससभमे के के प्रवेश पाओत तै विषयमे सरकार निचा देलगेल अनुसार निर्णय केने अछि:

१. कोभिड विरुद्धके खोपके दुनु मात्रा लगेने आदमीसभ ।

२. कोभिड विरुद्धके खोपके एक मात्रा लगाक १४ दिन कटल आदमीसभ ।

३. कोभिड संक्रमण भल ९० दिन नै नारने आदमीसभ ।

४. स्वास्थ्यके कारण कोभिड विरुद्धके खोप लगाब नै होबवला आदमीसभ (कुवेत स्वास्थ्य मन्त्रालय सँ प्रमाणित केने होब परतै) ।

५. १६ वर्ष सँ नीचाके धियापुतासभ ।

यूएई:

यूएईद्वारा नेपाल, भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश लगायत अफ्रिकी मूलके देशसम कलक जम्मा १३ टा देशसँ यूएई आबवला यात्रुके लेल २१ जुलाई तक प्रतिबन्धीत कएलगेल छै । ई प्रतिबन्ध पहिले ७ जुलाई तक मात्रे छलै ।

www.facebook.com/shramik.sanjal सँ आँहा प्रत्येक रविदिन, बुधदिन आ शुक्रदिन साँझमे युएई समय UAE Time (8:00 PM), Qatar, KSA, Kuwait (7:00 PM) Malaysia (12 Midnight) मे हमरासभके प्रत्य देख सुन सकैत छी।

खिस्सा किनाराके

बहुते रोगीसभ डाक्टरके छुनाईसँ बाँचल अछि

अखन वितल वर्ष लम्की अस्पतालमे कोभिडके पहिल घटना एलै आ अस्पतालके माहौल किछ खलबलेलै । नयाँ प्रकारके संक्रमण भेला सँ चिकित्सकसभमे सेहो किछ त्रास छलै । डा. प्रकाश तिमिल्सिना ओही अस्पतालमे मेडिकल अधिकृतके रुपमे कार्यरत छलैथ । चिकित्सकसभ अपने डराएब रोगीसभ आरो त्रसित हेतै कहिक ऊ अपन सहयोगीसभ संगे उच्च मनोबल सँ रोगीसभके ईलाजमे खटलैथ । डा. तिमिल्सिना रोगीसभके चेक जाँच, मनोबल उच्च राख परामर्श कर सँ लल्क सब बन्दोबस्तमे अपने खटलैथ ।

कोरोनाके संक्रमणदर उच्च रहलापर ऊ २४ सो घण्टा, हप्ताके सातो दिन अस्पताले मे रोगीसभके सेवामे खटलैथ । अस्पतालमे कार्यरत आरो चिकित्सकसभ नै भेलापर समेत हुनकासभके जगहपर डा. तिमिल्सिना अपने खटलैथ । खाय रहके लेल अस्पताल भितरे आवास देने छै । ऊ कहैत छैथ, "बिमारीसभके देखते देखते कहियोकाल खाना खायके फुर्सद मध्यराईतमे होई छलै, ओहि समयमे बिमारी एलापर हमरा फोन अबै छलै आ हम खाना छोडिक दौडैत निचा जाई छलौ आ रोगीके ईलाज करै छलौ ।"

।" एना दिनराईत रोगीसभके सेवा केलाके बादो रोगीसभके बचाब नै सकलापर हुनका केहन पेशा अपनेलौ जेना सेहो लगैत छलै । लेकिन, बहुते रोगीसभके हुनका छुलाके कारण सँ मात्रे सेहो बाचँल छलै,

अई सँ हुनका रोगीसभके सेवामे खटके हौसला दैत रहलै ।

हुनका बहुते रोगीसभ निक भल्क घर जायकाल आहाँके किछ नै होई कहिक आशिर्वाद दैत छलैथ । पहिल लहरमे हुनका किछ नै भेलै लेकिन दोसर लहरमे हुनका सेहो संक्रमण भल्एक रहलै । निमोनिया समेत भेलाके कारण हुनका संक्रमण किछ बेसिये दु:ख देलकै । ईलाजके बाद ऊ फेर अपन जिम्मेबारीमे खटिचुकल छैथ ।

ऊ कहैत छैथ, स्वास्थ्यकर्मीके काम करमे प्रोत्साहित करवला एकटा मजबुत आधार कहबै त अस्पतालमे जरुरतके स्वास्थ्य सामान आ भौतिक संरचना छै । ओई पर सँ सरकार जँ अभिभावकके भूमीका निर्वाह केलक त जेहन केहनो महामारी आबै त सहजे हराब सकै छी ।

भोइसेस आउट लाउड - हमर बात

धना कुमारी बडैला

सरसफाइकर्मी, कोभिड आइसीयु वार्ड,
सेती प्रादेशिक अस्पताल धनगढी, कैलाली

वितल वर्ष कोरोना महामारी शुरु भेले समय सँ हम अस्पतालमे कार्यरत छि । वार्डमे सरसफाइसंगे रोगीके लेल दवाई लल्जेनाई आ हुनकासभके देखभाल कर पडैत छै । काम करके समय लेकिन निश्चित नै छै । जरुरत अनुसार जखन कखनो भी काममे खट परैत छै । शुरुमे कोरोना अस्पतालमे काम कर बहुते डर लागल छल । छुवब त मरब जेना लगै छल । अस्पतालमे काम करैय कहिक पडोसीसभ सेहो डराई छलैथ । अखन त बहुते कोई बुझने छैथ । लेकिन तैयो संक्रमित भल्जाएब कि कहिक चिन्ता सदैब रहैत अछि ।

स्टाफ नर्स,
नेपालगञ्ज मेडिकल कलेज, बाँके

कोभिडके दोसर लहरमे पहिल लहर जते आतंकित नै भेलौ, लेकिन तैयो बहुते रोगीसभ संगे सहकर्मीसभके सेहो गुमाब पइल । प्राय रोगीसभ अस्पताल पहुँचलापर अक्सिजनके जरुरत परवला होई छलैथ आ परिक्षण केलापर प्राय: कोभिडके संक्रमण देखाईत छलै । आईसोलेशन वार्डमे काम केलाके कारण घर परिवारसंगे नजिक होबमे सेहो डर लगै छल । लेकिन, अस्पतालमे शैयाके अभाव भेला सँ घरमे जालक सेहो रोगीसभके ईलाज केलौ । अई समयमे सरकार जल्दि सँ जल्दि पर्याप्त मात्रामे कोभिड विरुद्धके खोपके व्यवस्था मिला दैतै त स्थिति सहज होईतै । अखन नेपालगंजमे कोरोना संक्रमण कम देखाईतो दोसर जिलामे बैढ रहल छै, तै सँ सावधानीके उपायसभ अपनाब नै छोइब ।

FAIR FACTS

is a product of:

CIVIC ACTION TEAMS

फेयर फ्याक्ट्स *एकटा खुला अभियान छै, जै सँ नागरिक, नेतृत्वकर्ता आ बहुतोरास निकायके एक सुत्रमे जोडैत अछि । साथसाथे, अई सँ कोभिड - १९ सम्बन्धी ग़लत सूचना आ हल्लासँ निमन्त्रीत करवला समस्याके तथ्यपर आधारित जानकारीके माध्यमसँ समाधान करैत छै । कोरोना भाईरस सँ आमन्त्रीत अखनके अवस्थामे सेहो स्वास्थ्य सेवा, जीविकोपार्जन आ सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी विषयमे जल्दी आ विश्वसनिय सूचनाके जरुरतके जोड् दैत छै । तै सँ सेहो हमसभ स्पष्ट तथ्यके माध्यम सँ परिवर्तनके संबाहक अभियन्ताके एकटा मजबुत संजाल बनाक महामारीके समयमे नै सुनल खिस्सा आ आवाजसभके शक्तिके निष्पक्ष आ न्यायोचित प्रतिकार्यमे उपयोग कर सहयोग करैत छी।*

कोभिड - १९ मात्रे स्वास्थ्यसँ सम्बन्धित संकटमात्रे नै छै, अई सँ शासन प्रणालीके जवाफदेहिता आ निष्ठाके सेहो प्रभावित करैत छै । तै सँ कोरोना भाईरसके हराबके लेल हमसभ तथ्यके खोजी करैत छी, जरुरी जानकारी प्रसार करै छी आ अईके लेल बृहत संजाल बनाबैत छी ।

Brought to you by:

accountabilitylab communities

DISCLAIMER

अई अंकमे समेटलगेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतोरास संस्था तथा व्यक्ति, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेबसाईट, सामाजिक सञ्जाल, ७ टा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स आ सिभिक एक्सन टिम विगत एक सप्ताहमे बहुतो आदमीसभसंगेके प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष संवादसँ संकलन कएलगेल छै । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दलक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ छनौट कएलगेल छै । अई अंकमे समेटलगेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मिति तक सत्य छै ।

REACH OUT TO US ON

@CivicActionTeams

@civacts

@CivActs

Civic Action Teams

/accountability_lab

Email: civactsnp@accountabilitylab.org
Phone: 9851203219